डॉ० अशोक कुमार झा (अविचल)
प्राचार्य, एल०बी०एस०एम० कॉलेज, जमशेदपुर
(कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड)
सह- प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, मैथिली
मो०- 9006056324
E-Mail- ashokavichal222@gmail.com

Ex सदस्य- सामान्य एवं कार्यकारी परिषद, साहित्य अकादेमी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) नई दिल्ली
Ex संयोजक, मैथिली परामर्शदात्र समिति एवं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद, साहित्य अकादमी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार), नई दिल्ली

पत्रांक- ....

दिनांक- 07. 07. 2024

सेवा में
परीक्षा नियंत्रक
पूर्णियाँ विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

सन्दर्भ :- भवदीय पत्रांक Exam/Coord/PRNO/1063/24
दिनांक 23.05.2024

महोदय,

सन्दर्भ से सन्दर्भित शोध प्रबंध 'आधुनिक मैथिली उपन्यासमे नारी विमर्श' का परीक्षण प्रतिवेदन अध्याय आधारित तथ्यात्मक निकष के साथ प्रेषित है। अग्रेतर उपयोग के लिए कृपया इसे स्वीकार करें।

सधन्यवाद

[signature]
07-07-2024

P.T.O

Scanned with OKEN Scanner

डॉ० अशोक कुमार झा (अविचल)
प्राचार्य, एल०बी०एस०एम० कॉलेज, जमशेदपुर
(कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड)
सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष मैथिली
मो०- 9006056324
E-Mail- ashokavichal222@gmail.com

Ex सदस्य- सामान्य एवं कार्यकारी परिषद, साहित्य अकादेमी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार), नई दिल्ली
Ex संयोजक, मैथिली परामर्शदात्री समिति एवं पूर्वी क्षेत्रीय परिषद साहित्य अकादेमी (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) नई दिल्ली

पत्रांक- .... दिनांक- ....

प्रतियों विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित Ph.D शोध प्रबन्ध का

अध्याय आधारित परीक्षण प्रतिवेदन

शोध का विषय – आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी विमर्श
गवेषिका – श्वेता कुमारी

परीक्षण हेतु उपलब्ध कराए गए उक्त शोध प्रबन्ध का परीक्षकीय दृष्टि से अवलोकन किया। विभक्ति गवेषिका ने अपना शोध प्रबन्ध पाँच अध्यायों में पृष्ठभूमि के रूप में है कर पूर्ण किया है। प्रथम अध्याय पृष्ठभूमि के रूप में है जो विषय के विमर्श को उसके उत्स एवं अवधारणा तक ले जाकर आधार तैयार करती है। संस्कृत साहित्य की परम्परा को भी इस अध्याय में विश्लेषित किया गया है। नारी विमर्श की स्थिति दूसरे अध्याय में मैथिली गद्य में नारी विमर्श की अवधारणा की समीक्षा तुलनात्मक रूप से किया गया है। पूर्व अवधारणा की प्रस्तुत ही नारी विमर्श पर गंभीर चिन्तन प्रस्तुत कर सकता है का प्रश्न एक खण्ड मैथिली समालोचना साहित्य के लिए एक नव उपलब्धि मानी जा सकती है। इसमें हरिनन्दन ठाकुर, सरोज, ब्रजमोहन झा, मानी, किरण आदि के साथ लीली रे, उषा किरण खाँ, वीणा ठाकुर, नीता झा आदि के रचनाओं का सम्यक विवेचन गवेषिका ने किया है जो प्रशंसनीय है। तीसरे अध्याय में नारी विमर्श को केन्द्र में रखकर की गई ~~रचना~~ पद्य रचनाओं को सोदाहरण उपस्थापित किया गया है और प्रायः सभी समकालीन महत्वपूर्ण कृतियों की समीक्षा की गई है। चौथा अध्याय कथाकारों को समर्पित है और स्वतंत्र रूप से विवेचित हुए हैं। शोध के साथ शोध सारांश, सन्दर्भ, ग्रन्थ सूची आदि विवेचित हुए हैं। शोध की रूपरेखा आदि यथास्थान संयोजित है, अतएव मौलिकता और शोध की कल्पना आदि ... इस शोध प्रबन्ध के लिए गवेषिका श्वेता कुमारी को ~~[illegible]~~ Ph.D उपाधि देने हेतु मौखिकी के आयोजन हेतु मैं अनुशंसा करता हूँ।

अशोक कुमार झा
[illegible]-07-[illegible]

नोट – आवास : 97/2/2/, रोड नं0–03, बागबेड़ा कॉलोनी, जमशेदपुर, झारखण्ड (831002)

P.T.O

PURNEA UNIVERSITY,PURNIA

Ph.D. Thesis Evaluation Report

1. Name of Examiner : Dr. ASHOK KUMAR JHA
2. Designation : PRINCIPAL
3. Email Address : ashokavichal222@gmail.com
4. Mobile No. : 9006056324
5. Examiner's Specialization : Linguistic, communication.
6. Title of Thesis : 'आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी-विमर्श'
7. Subject : मैथिली
8. Degree : Ph.D
9. Faculty : HUMANITIES
10. Name of candidate : श्वेता कुमारी

विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग के माध्यम से परीक्षण हेतु उपलब्ध कराई गई शोध-प्रबन्ध 'आधुनिक मैथिली साहित्य में नारी विमर्श' का परीक्षकीय दृष्टि से परीक्षण किया। पाँच अध्यायों में विभक्त (अध्याय) इस शोध के माध्यम से मैथिली साहित्य में नारी विमर्श को गंभीरता के साथ विश्लेषित किया गया है। प्रामाणिक एवं ठितीयक आँकड़ों का सम्यक उपयोग करते हुए नारी विमर्श के विविध चरण, कारण का हलाव, आधुनिकता आदि का तुलनात्मक विवरण इसे विशिष्ट एवं उपादेय बनाता है। इस शोध-प्रबन्ध के आधार पर शोधार्थिका श्वेता कुमारी को Ph.D उपाधि हेतु मौखिकी का आयोजन किया जा सकता है। लिखित परीक्षा की कोई आवश्यकता नहीं है।

अशोक कुमार
01.07.2024
Principal
प्राचार्य
L.B.S.M. College, JSR
Kolhan University

174

PURNEA UNIVERSITY,PURNIA

Ph.D. Thesis Evaluation Report

Rw
6-7-24

1. Name of Examiner : प्रो. दमन कुमार झा
2. Designation : प्राचार्य एवं अध्यक्ष
3. Email Address : damankumarjha5@gmail.com
4. Mobile No. : 7004760408.
5. Examiner's Specialization : बाल साहित्य
6. Title of Thesis : आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी-विम
7. Subject : मैथिली
8. Degree : पीएच-डी.
9. Faculty : मानविकी
10. Name of candidate : श्वेता कुमारी

श्वेता कुमारीक शोध-प्रबन्ध 'आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी-विमर्श' मे एक महत्त्वपूर्ण आ व्यापक विषय कें उजागर कैल गेल अछि। ने नारीक अधिकार, ओकर स्थिति, ओकर भवना आ ओकर संघर्ष कें उजागर कैल अछि। ई विमर्श मैथिली साहित्यक विभिन्न विधा मे प्रमुखताक संग उजागर होइत रहल अछि। नारी विमर्श ने केवल मैथिली साहित्य कें समृद्ध कयलक अछि, अपितु समाजमे नारीक स्थिति कें आवाज उठयबाक शक्ति प्रदान कैलक, ओकर अधिकारक प्रति जागरूक सेहो कयलक अछि।

श्वेता कुमारी अपन शोध-प्रबन्ध कें पाँच अध्याय मे बाँटि नारीक विभिन्न आयाम कें

Scanned with OKEN Scanner

व्याख्यायित कयलनि अछि।

प्रथम अध्यायमे भौगोलिक 'पृष्ठभूमि' क रूपमे नारी विमर्शक विशद व्याख्या करैत मैथिली साहित्यक विभिन्न विधामे आयल नारी विमर्श कें रेखांकित कयलनि अछि। दोसर अध्यायमे 'मैथिली गद्यमे नारी-विमर्श' क अन्तर्गत मैथिली कथा, उपन्यास आ नाटकमे आयल नारी कें प्रमुखता सँ उल्लेख कयलनि अछि। नारी शिक्षा, स्वतंत्रता, सामाजिक आ सांस्कृतिक चेतना, आर्थिक स्वतंत्रता, कुरीति, सामाजिक बदलाव, निःसहायता आदि पर विशद चर्चा कयलनि अछि। तृतीय अध्यायमे 'मैथिली पद्यमे नारी-विमर्श' मे महाकाव्य ओ खण्डकाव्यमे आयल नारीक विभिन्न रूपकें चित्रित कयलनि अछि। ओतहि चतुर्थ अध्याय - 'मैथिली मुक्तक काव्यमे नारी-विमर्श' मे सीताराम झा सँ लऽ कऽ हरेकृष्ण झाक कवितामे आयल नारीक विभिन्न आयाम, स्थिति-परिस्थिति कें समाहित कयल गेल अछि। आ, अंतिम पांचम अध्याय 'उपसंहार' मे सम्पूर्ण शोध-प्रबंधक सार अछि।

सम्पूर्णता मे देखल जाय तँ किछु तकनीकी पक्ष कें गौण कऽ दी तँ श्वेता कुमारीक ई शोध-प्रबंध मौलिक एवं मैथिली समीक्षा साहित्य कें पुष्ट करैत अछि। तँ हिनका पीएच-डी. क लिखित परीक्षा सँ मुक्त रखैत, मौखिकी परीक्षा लेल हम अनुशंसा करैत छी।

हेमन्त कुमार झा

20/6/24

परीक्षा नियंत्रक
पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णियाँ

प्रौंक - Exam/Conf./PRNU/1095/24, dt. 28.05.24
के आलोक में
72

PURNEA UNIVERSITY, PURNIA

P-h.D. Thesis Evaluation Report

1. Name of Examiner : Prof.(Dr.) Sudhir Kumar Suman
2. Designation : Professor
3. Email Address : drsks70@gmail. Com
4. Mobile No. : 8340753124
5. Examiner's Specialization : 'Vidyapati and his age'
6. Title of Thesis : 'आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी विमर्श'
7. Subject : Maithili
8. Degree : P-h.D.
9. Faculty : Humanities'
10. Name of candidate : Shweta Kumari

यह शोध–प्रबंध शोद्यार्थी श्वेता कुमारी द्वारा पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया में पी.एच.डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत किया गया है। शोध का विषय – वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत ही प्रसांगिक है। यह विषय इतना व्यापक है कि इसमें नारी के तत्कालीन समस्त दशा, स्थिति, अधिकार और सामाजिक , शैक्षणिक, मानसिक और आर्थिक से परिचय कराता है। शोद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध प्रबंध को पाचँ अध्याय में विभक्त करते हुए मैथिली साहित्य में गद्य–पद्य के विविध विधा मे वर्णित प्रसंगों के माध्यम से आधुनिक मैथिली साहित्य में नारी–विमर्श पर विशद रूप से शोधपरक चर्चा करते हुए कितने ही अन्वेष्नात्मक तथ्यों को उद्घाटित किया है।

इस चर्चा में शोधार्थी ने "आधुनिक मैथिली साहित्य में नारी–विमर्श" पर अपना ध्यान केन्द्रित करते हुए प्रथम अध्याय "पृष्ठभूमि" में नारी विमर्श पर विस्तृत चर्चा किया है। द्वितीय अध्याय "मैथिली गद्य में नारी विमर्श" में विभिन्न कथा, नाटक, एकांकी आ मुख्य रूप से उपन्यास पर ध्यान केन्दित करते हुए नारी आ उनके विकास के मार्ग में विविध बाधाक तत्व के चित्र उजागर किया गया है। तृतीय अध्याय "मैथिली पद्य में नारी विमर्श" में मुख्य रूप से विभिन्न महाकाव्य में चित्रित नारी के दशा को उद्घाटित किया गया है। चतुर्थ अध्याय "मुक्तक काव्य" में बहुत ही रोचक एवं शोधपरक दृष्टिकोण से विभिन्न कवियों के मुक्तक रचनाओं में उनके द्वारा वयक्त नारी – विमर्श विषयक विचारों का अन्वेषी रूप से जो चित्रण किया गया है, वह प्रशंसनीय है। पंचम एवं अन्तिम अध्याय "उपसंहार" में शोद्यार्थी द्वारा अपने शोंध विषय पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समस्त अध्याय का सार तत्व प्रस्तुत किया गया है।अतएव यह स्पस्ट होता है कि शोध – प्रबंध की भाषा अति सरल, स्पस्ट तथा सम्प्रेष्णीय है। टंकण भूल नगण्य है। मैं श्वेता कुमारी को मानविकी संकाय अन्तर्गत मैथिली विषय में पी–एच.डी. की उपाधि प्रदान किए जाने की अनुशंसा करता हूँ, तथा शोद्यार्थी के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

Suman
24.06.2024

(प्रो.डॉ.सुधीर कुमार सुमन)
शोध निदेशक सहःप्राचार्य एवं अध्यक्ष
विश्वविद्यालय मैथिली विभाग
पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया

Scanned with OKEN Scanner